Title: Need to improve service conditions of Central Police Forces in the country- Laid.

श्री राममूर्तिसिंह वर्मा (शाहजहांपुर) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश की आन्तरिक व बाहरी सुरक्षा में केन्द्रीय पुलिस बलों का भारी योगदान है और बलों के सदस्यों की प्रतिर्वा हजारो की तादाद में कुर्बानियां हो रही हैं। इन बलों को भारतीय थल सेना की कार्यशैली अनुरूप प्रशिक्षित व संचालित किया जाता रहा है, परंतु आज के बदलते सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में इन बलों के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, तैनाती, अनुशासन, जवानों के कल्याण, पदोन्नति, भत्तों व सेवा शर्तो आदि में कई विसंगतियां देखने में आ रही हैं। उदाहरण के तौर पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस के जवान ऐसी उंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों, जहां पर सांस लेने के लिए भरपूर आक्सीजन नहीं होती, ऐसे ही क्षेत्रों में लगातार तैनात किए जाते हैं, जिससे जवानों के स्वास्थ्य पर ऐसा कुप्रभाव पड़ता है, जिससे बल के सदस्यों का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, मनोबल कुप्रभावित हो रहा है और अन्ततोगत्वा देश की सुरक्षा शक्ति पर प्रतिकूल जो प्रभाव पड़ेगा, जिसे वर्तमान नीति से दूर नहीं किया जा सकता। जबकि भारतीय थल सेना के तैनाती सिद्धान्तों को आधार माना जाये तो इस क्षति से बचा जा सकता है। इसी प्रकार से प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, तैनाती, अनुशासन, जवानों के कल्याण, पदोन्नति, भत्तों व सेवा शर्तो आदि में तमाम ऐसी विसंगतियां हैं, जिन पर सरकार को अविलम्ब उचित कार्यवाही कर केन्दीय पुलिस बलों को सक्षम बनाना चाहिए।

अतः सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि केन्द्रीय पुलिस बलों को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में और अधिक सक्षम बनाने के लिए केन्द्रीय पुलिस बलों की सेवा शर्तो का जुडीशियल रिव्यू (Judicial Review of Services) करवाया जाये।